दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: Ravi Gangwar

Mobile Number: ____________

Medium (English/Hindi): Hindi

Reg. Number: AWAKE-19/G002

Center & Date: Mukherjee Nagar

UPSC Roll No. *(If allotted)*: 0801337

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

प्राचीन एवं मध्ययुगीन कला एवं वास्तुकला के अधिकांश उदाहरणों जैसे- अशोक के स्तम्भ, विभिन्न मंदिर, मूर्तियाँ, ताजमहल, मस्जिदें आदि प्रमुख हैं जिनका निर्माण या तो शासकीय आवश्यकता के चलते हुआ या फिर प्रजा की धार्मिक भावनाओं के सम्मान हेतु।

वस्तुतः यह कहना कि प्राचीन एवं मध्यकाल में अधिकांश इमारतें धार्मिक प्रकृति की हैं, सत्य प्रतीत होता है क्योंकि इस काल के दौरान प्रजा पर नियंत्रण का सर्वप्रमुख साधन धर्म था जिसके चलते शासकों ने न केवल अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप बल्कि प्रजा की धार्मिक संतुष्टि हेतु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3
drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भी निर्माण कराये जैसे - गुप्तकालीन मन्दिर, चोलकालीन मन्दिर, चैत्य, स्तूप, तो मध्यकाल में बाबरी मस्जिद, कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद, विभिन्न दरगाहें आदि।

किन्तु दूसरी तरफ यदि देखा जाये तो अशोक कालीन स्तम्भ, गुप्तकालीन मेहरौली का लौह स्तम्भ, बिहार, विभिन्न किले आदि का निर्माण हो या फिर मध्यकाल में लालकिला, आगरा का किला, पंचमहल का निर्माण हो अपनी प्रकृति में धर्मनिरपेक्ष प्रतीत होते हैं।

वस्तुतः हम कह सकते हैं कि सभी इमारतें या कला के अवशेष धार्मिक प्रकृति के न होकर कुछ का सम्बन्ध धर्मनिरपेक्ष प्रकृति से भी है जिनका मूल शासकीय आवश्यकताएं थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारतीय कला व संस्कृति के क्षेत्र में दक्षिण भारतीय कला का अपना एक अलग व महत्वपूर्ण स्थान है फिर चाहे वह वास्तुकला का क्षेत्र हो या चित्रकला का या मूर्तिकला का।

इसी क्रम में 10वीं सदी में स्थापित चोल साम्राज्य के दौरान भी कला व संस्कृति के क्षेत्र में विविध क्षेत्रों में विकास हुआ। वस्तु चोलकालीन मूर्तिकला के सन्दर्भ में अगर देखा जाये तो तत्कालीन समय में प्राप्त विभिन्न कांस्य मूर्तियां इसकी विशेषता का उल्लेख स्वतः ही कर देंगी जैसे - नटराज की शिव मूर्ति।

वस्तुतः चोलकाल में बनी यह शिव मूर्ति अपने आप में विशिष्ट है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जिसमें शिव को संहारक, मार्गदर्शक, नर्तक आदि मुद्राओं में दिखाया गया है। वस्तुतः चोलकालीन अधिकांश मूर्तियाँ धार्मिक क्षेत्र से सम्बन्धित थी जिनमें शैव व वैष्णव पंथ की प्रमुखता है।

चोलकालीन कांस्य मूर्तियां का निर्माण प्राचीन काल से चली आ रही लॉस्ट वैक्स तकनीक से किया जाता था तो इसमें प्रयुक्त विषय राजदरबार तथा राजा से सम्बन्धित होते थे जिसके चलते इस कला को राजदरबार का न केवल संरक्षण प्राप्त हुआ बल्कि इसकी सुन्दरता व विशेषता के चलते विदेशों में भी इसकी माँग रही जिसके चलते चोल कालीन व्यापार-वाणिज्य में भी समृद्धि आयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक शासन के दौरान विभिन्न बुद्धिजीवियों एवं समाज सुधारकों को जब अपनी पराधीनता का एक प्रमुख कारण अपनी संस्कृति तथा समाज में व्याप्त कुरीतियाँ लगी तो उन्होंने इसमें सुधार करने का संकल्प उठाया।

ईश्वरचन्द्र विद्यासागर अपने समय के सबसे महान समाज सुधारों में से एक थे। वस्तुतः उनके प्रमुख सुधार निम्नलिखित हैं:-

i) सती प्रथा पर विरोध के बाद जब विधवाओं की स्थिति दयनीय हुयी तो उन्होंने 1856 में विधवा पुनः विवाह अधिनियम पारित करवाया।

ii) स्त्री शिक्षा के लिए कलकत्ता में कई स्कूल खोले तथा स्त्री विश्वविद्यालय के प्रमुख अध्यापक भी बने।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) इन्होंने बाल विवाह, स्त्री शिक्षा, पर्दा प्रथा, विधवा विवाह आदि के सन्दर्भ में लोगों में जागरूकता फैलाने का भी कार्य किया।

iv) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जातिगत भेदभाव में विश्वास नहीं करते थे और शायद इसी वजह से अपना छोटे से छोटा काम स्वयं करना पसन्द करते थे।

v) ईश्वर विद्यासागर जी ने समाज में धर्म सम्बन्धी रूढ़ियों, प्रथाओं के विरुद्ध चेतना फैलाने का प्रयास भी किया।

इस प्रकार स्पष्ट है कि ईश्वर जी के प्रयास ही थे जिन्होंने सती प्रथा पर प्रतिबंध के बाद महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया और सती प्रथा प्रतिबन्ध की पूर्णता को पूरा किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का निर्माण 5° अक्षांश से उत्तर या दक्षिण में लगभग 30° तक होता है। इसके निर्माण को निम्न तरीके से समझा जा सकता है:

i) यह अपनी ऊर्जा संघनन की गुप्त ऊष्मा से प्राप्त करते हैं जिसके कारण यह केवल गर्म (तापमान 27°C) महासागरीय सतह पर ही उत्पन्न होते हैं और लैंडफाल के बाद समाप्त हो जाते हैं।

ii) इनके घूर्णन के लिए कोरियोलिस बल भी आवश्यक है इसी वजह से यह भूमध्य रेखा पर नहीं पाये जाते

iii) इनके केन्द्र में निम्न वायुदाब तथा चारो ओर उच्च वायुदाब होता है जिसके चलते इनमें हवा वामपंथी उत्तरी गोलार्द्ध में तथा दक्षिणपंथी दक्षिणी गोलार्द्ध में होती है

iv) इनकी दिशा सामान्यतया: पूर्व से पश्चिम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

होती है।
v) इनमें प्रभाव क्षेत्र में वर्षा तीव्रगति से तथा कम देर के लिए होती है और इनका सम्बन्ध प्रतिचक्रवातीय दशाओं से नहीं होता है।

बंगाल की खाड़ी का चक्रवातों के लिए अधिक प्रवणता निम्न वजहों से है:-

i) यह 5° उत्तरी अक्षांश से 20° उत्तरी अक्षांश के बीच स्थित है।

ii) अरब सागर की तुलना में इसका तापमान भी अधिक रहता है।

iii) लौटते हुए मानसून के कारण यहाँ निम्न वायुदाब की स्थिति होती है जिसके चलते चक्रवातीय वर्षा के निर्माण की परिस्थितियाँ भी बनती हैं।

iv) इसी क्रम में दक्षिणी चीन सागर से भी चक्रवात भिन्न-भिन्न दशाओं में बंगाल की खाड़ी में पहुँचकर पुनः मजबूत हो जाते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत का देशांतरीय विस्तार लगभग 30° तक होने के कारण यहाँ पूर्वी किनारे तथा पश्चिमी किनारे के बीच लगभग 2 घण्टे का समयान्तराल पाया जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए ही भारत में विभिन्न टाइम ज़ोनों की माँग उठती रही है।

वस्तुतः अभी इलाहाबाद के समीप से गुजरने वाली रेखा भारतीय मानक समय रेखा है। इसी क्रम में एक टाइम जोन को उत्तरपूर्व के लिए बनाने की माँग भी उठ रही है जिसका निम्न कारणों के चलते विरोध किया जा रहा है:

i) राष्ट्रीय एकता को खतरा

ii) विभिन्न रेल, वायु परिवहन संबंधी दिक्कतें रहेंगी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) शासन, प्रशासन के स्तर पर भी समस्या का सामना करना पड़ेगा।

पक्ष में तर्क:

i) इसके चलते ऊर्जा संरक्षण किया जा सकेगा। उत्तर पूर्व में समय से काम होगा जिसमें सूर्य की रोशनी का अधिक प्रयोग होगा।

ii) काम की उत्पादकता में भी वृद्धि होगी।

iii) लोगों की सर्केडियन रिदम भी प्राकृतिक तौर पर रहेगी न कि २ घंटे पहले की।

इस प्रकार विभिन्न टाइम. ज़ोनों का मुद्दा महत्वपूर्ण तो है और औपनिवेशिक काल में भारत में कई टाइम ज़ोन हुआ भी करते थे। अतः वर्तमान समय में इसके लिए हमें तकनीकि तथा सामाजिक तौर पर पहले तैयार होना होगा तभी यह सम्भव हो पायेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में सूखे की समस्या से प्रभावित विभिन्न क्षेत्र अब बाढ़ की विभीषिका को झेलने को मजबूर है। इन्ही परिस्थितियों से निपटने के लिए सरकार ने नदी जोड़ो परियोजना शुरु की है:-

i) इसके तहत अधिक वर्षा वाले क्षेत्र की नदियों को कम वर्षा क्षेत्र की नदियों से जोड़ा जायेगा ताकि अधिक पानी की समस्या का समाधान हो

ii) सदानीरा नदियों को प्रायद्वीपीय क्षेत्र की मौसमी नदियों से जोड़ा जायेगा ताकि सूखे के मौसम से निपटने में सहायता मिले।

iii) इसी क्रम में केन-बेतवा लिंक, कृष्णा-गोदावरी लिंक प्रारम्भ किये गयें हैं।

iv) नहरों के माध्यम से जोड़ने की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

व्यवस्था के चलते सिंचाई तथा भूमिगत जल के उपयोग की समस्या का भी समाधान होगा।

4) ~~[illegible]~~ जल परिवहन के क्षेत्र में भी विकास होगा।

क्योंकि नदी जोड़ो परियोजना का कुछ लोग सामाजिक तथा पर्यावरणीय मुद्दों के आधार पर विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि इसके चलते लोगों का विस्थापन होगा जिनके पुनर्वास की समस्या तो वहीं नहर के चलते कई डूब क्षेत्रों का निर्माण होगा, जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी तो पर्यावरण सम्बन्धी समस्याएँ भी उत्पन्न होंगी ~~[illegible]~~ इसको केन-बेतवा लिंक के चलते मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान के डूब रहे क्षेत्र के सन्दर्भ में समझा जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषत: प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1857 के विद्रोह के दौरान कम्पनी शासन को बहुत विद्रोह का सामना करना पड़ा था जिसके चलते ब्रिटिश संसद ने विद्रोह के बाद शासन की बागडोर खुद सम्हाल ली और निम्नलिखित परिवर्तनों को लागू किया

i) सर्वप्रथम भारत सचिव तथा उसकी परिषद को भारत के प्रशासन हेतु नियुक्त किया।

ii) प्रांतीय प्रशासन के सन्दर्भ में विभिन्न प्रेसीडेंसियों को 1861 में पुनः विधान बनाने की शक्तियाँ प्रदान की गयीं।

iii) प्रांतीय स्तर पर गवर्नर तथा उसकी परिषद के अधिकारों को बढ़ाया गया

iv) स्थानीय निकायों के क्षेत्र में वित्तीय विकेन्द्रीकरण की शुरूआत की गयी तथा इन्हें भी बजट मिलने लगा इसी क्रम में बाद में रिपन ने इस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किये।
v) लोक सेवाओं के सन्दर्भ में सब लोक सेवकों के सन्दर्भ में सारे अधि० ब्रिटिश संसद व वायसराय में निहित कर दिये गये।
vi) लोक सेवकों की नियुक्ति हेतु प्रति-योगी परीक्षा के प्रावधान के तहत नियुक्तियाँ होने लगी। आगे चलकर 1878 में लार्ड लिटन द्वारा अनुबंधित सिविल सेवा जैसे परिवर्तनों को भी लागू किया गया।

इन्हीं सब परिवर्तनों के साथ-साथ मुख्यतया, देशी रियासतों के साथ विलय की नीति त्याग दी गयी तो वहीं भारत में आधिकारिक तौर पर मुगलशासन का अन्त हुआ तो इसी के साथ सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र में पुनः अहस्तक्षेप की नीति अपनायी गयी, जैसे परिवर्तन भी प्रमुख थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पुनर्जागरण तथा प्रबोधन के चिन्तन से युक्त यूरोपीय समाज में जब आधुनिकता का प्रवेश हुआ तो इन्होंने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका पर उपनिवेश स्थापित किये। इसे निम्न तरीके से समझा जा सकता है:-

i) अफ्रीकी तथा एशियाई देशों की अपेक्षा यूरोपीय राष्ट्र अधिक शक्ति सम्पन्न थे।

ii) यूरोपीय राष्ट्र औद्योगिक क्रान्ति के दौरान होने वाले अविष्कारों के चलते एक आधुनिक सैन्य शक्ति बन चुके थे।

iii) यूरोपीय नौ-सेना, अफ्रीकी तथा एशियाई नौ सेना के मुकाबले बहुत मजबूत थी।

iv) पश्चिमी शक्तियों द्वारा अपने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

धन तथा ज्ञान का इस्तेमाल अफ्रीकी तथा एशियाई संस्कृति में कमी निकालने में किया गया जिसके चलते इन देशों में फूट पड़ी।

iv) पश्चिमी शक्तियाँ मानवतावाद, वैज्ञानिक खोजों आदि से युक्त थी तो वहीं अफ्रीकी व ~~एशियाई~~ एशियाई समाज अभी भी मध्यकालीन धार्मिक जकड़न में बँधा था।

v) पश्चिमी शक्तियों द्वारा अफ्रीकी व एशियाई लोगों को छला भी गया। वस्तुतः प्रारम्भ में उन्होंने व्यापार पर नियंत्रण कर आर्थिक शक्ति हासिल की और फिर राजनैतिक तौर पर नियंत्रण कर औपनिवेशिक शासन स्थापित किया।

वस्तुतः स्पष्ट है कि पश्चिमी शक्तियाँ उस समय आधुनिकता से युक्त थी जिसके चलते उन्होंने मध्यकालीन अफ्रीका व एशिया को गुलाम बना लिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आजादी के पश्चात भारत सरकार की सभी प्रमुख नीतियों का मूल उद्देश्य भारतीय जनता का समावेशी विकास रहा है जिसमें उनकी आर्थिक उन्नति भी शामिल है।

इस प्रकार किये गये बहुत से प्रयासों की बदौलत भारत में गरीबी का स्तर कम तो हुआ है, किन्तु अब यह नवीन रूप अख्तियार कर रहा है- जिसे शहरी गरीबी कहा जा रहा है:-

i) वस्तुतः नये रोजगार तथा बेहतर संसाधन, सुविधाओं की तलाश में शहर मे प्रवासन बढ़ा है

ii) प्रवासन के चलते आर्थिक संसाधनो का बँटवारा उचित तरीके से नही हो पा रहा है और समाज में असमानता बढ़ रही है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) शहरी अवसंरचनात्मक ढाँचा जनसंख्या का इतना बोझ नही सम्हल पा रहे हैं जिसके चलते गरीब जनता विभिन्न स्वास्थ्य, शिक्षा सम्बन्धी परेशानी में फँसकर और गरीब होती जा रही है।

iv) गाँव से गरीब व्यक्ति शहर में अपनी आजीविका के साधन तलाशने जा रहा है जिसके चलते गाँव की अपेक्षा शहरों में आर्थिक प्रतिस्पर्धा का स्तर तो बढ़ा ही है साथ में अधिक जनसंख्या के चलते सामाजिक सेवाओं की पर्याप्त अनुपलब्धता के चलते इनका वंचन भी बढ़ा है जिससे गरीबी।

इस प्रकार स्पष्ट है कि न केवल शहरी गरीबी में वृद्धि हो रही है, बल्कि इसका स्वरूप आर्थिक के साथ-2 शैक्षिक, सामाजिक के साथ-2 सांस्कृतिक लेकर बहुआयामी रूप से प्रकट होता (20) रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत जैसे देश में जहाँ की अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है किन्तु फिर भी कुछ लोग बहुत ही ज्यादा गरीबी में जीने को अभिशप्त है।

भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता को निम्न बिंदुओ के तहत समझा जा सकता है:-

i) वस्तुतः कुछ समाज अभी भी जातिगत बंधनो में जकड़न के चलते निम्नस्तरीय कार्य करने को मजबूर है जो आर्थिक असमानता को बढ़ावा दे रहा है।

ii) जातिगत भेदभाव के चलते शिक्षा, स्वास्थ्य के समुचित अवसर निम्न जाति के लोगों का नही मिल पा रहे जिसके चलते उनका वंचन बढ़ता जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) जातिगत असमानता ही है जिसके चलते आज के समय में भी लोग छुआछूत जैसी मान्यताओं में विश्वास रखते हैं जिसके चलते इन लोगों का समावेशन समाज की मुख्यधारा में नहीं हो पा रहा है और इनका अपवंचन है।

नीतिगत उपाय :- i) जाति असमानता से निपटने के लिए एससी तथा एस टी एक्ट को और अधिक मजबूती प्रदान की जाये।

ii) जाति सम्बन्धी मामलों को गम्भीरता से लेकर उनका निवारण किया जाये।

iii) समाज में जागरूकता के प्रसार हेतु शिक्षा में इससे सम्बन्धी प्रावधान शामिल किये जाये।

iv) राजनीतिक लाभ लेने के चक्कर में जातिगत भावनाओं का केवल फायदा उठाना बन्द होना चाहिए।

v) आरक्षण व्यवस्था का समुचित तरीके से पालन होना चाहिए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

परिवहन के प्रमुख मार्गों यथा जल, वायु, सड़क, रेल में जलमार्ग का अपनी न्यूनतम लागत तथा न्यूनतम रखरखाव आवश्यकता के चलते महत्व पूर्ण स्थान है। भारत में जलपरिवहन का अंतर्देशीय रूप अभी स्थानीय चरण में ही है।

अंतर्देशीय जल परिवहन से सम्बन्धित चुनौतियाँ तथा सम्भावनाएँ निम्नलिखित हैं:-

A) सम्भावनाएँ: i) अंतर्देशीय जल परिवहन के सन्दर्भ में उत्तर भारत में मैदानी क्षेत्र के सन्दर्भ में ज्यादा सम्भावनाएँ विद्यमान है।

ii) उत्तर भारतीय नदियाँ झरने नहीं बनाती जिसके चलते जल परिवहन आसान तथा सुगम होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

iii) प्रमुख शहर तथा उद्योग नदी किनारे ही बसे हैं जिसके चलते जल परिवहन के क्षेत्र में अपार सम्भा बनाये है।

iv) भारत में नदी व नहरों का जाल बिछा है जो नौपरिवहन को सुगम बनाने में मदद करेगें।

B) <u>चुनौतियाँ</u>: i) नदी में प्रदूषण की समस्या

ii) नदी में उपयुक्त गहराई का हर जगह पर न पाया जाना (गंगा में जलमार्ग विकास परियोजना के सन्दर्भ में इसे समझा जा सकता है।

iii) प्रायद्वीपीय नदीयों की प्रकृति मानसूनी है जिसमें हर समय जल उपलब्ध नहीं रहता है।

iv) प्रायद्वीपीय नदीयाँ ~~पठारी~~ पठारी क्षेत्रों से बहती है जिसके कारण अधिकांश हिस्सा झरनों तथा असमतल उतार चढ़ाव के कारण नौपरिवहन के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अनुकूल नहीं है।

v) नौपरिवहन हेतु अभी उचित नीति तथा कार्ययोजना का अभाव है जिसके चलते इसकी कार्य प्रगति बहुत धीमी है।

हाल ही में सरकार द्वारा नौपरिवहन हेतु अंतर्देशीय जलमार्ग विकास प्राधिकरण का गठन किया है तो विश्व बैंक के साथ समझौता भी किया है। इसी क्रम में लगभग 111 जलमार्गों को विकास हेतु चिह्नित भी किया गया है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भारत में परिवहन की ये प्रणाली भले ही अपने शुरुआती स्तर में है किन्तु भारत में इसकी सम्भावनाओं की उपस्थिति तथा इन सम्भावनाओं की भारतीय अर्थव्यवस्था की सफलता में महत्वपूर्ण स्थिति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध मुख्यतया: यूरोपीय देशों के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी जिसमें लगभग सम्पूर्ण विश्व किसी न किसी वजह के चलते न केवल शामिल हुआ अपितु प्रभावित भी हुआ।

वस्तुतः प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारत पर औपनिवेशिक शासन की उपस्थिति के चलते भारत को भी अंग्रेजों की तरफ से युद्ध में भाग लेना पड़ा। जिसकी वजह से भारत पर निम्न प्रभाव पड़े :-

i) युद्ध के दौरान हुयी रूसी साम्यवादी क्रांति के कारण न केवल भारत में अपितु सम्पूर्ण विश्व में जगह-2 साम्यवादी दल का गठन हुआ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

और साम्यवादी विचारधारा का प्रचार प्रसार बढ़ा।
(ii) विश्वयुद्ध के पश्चात ब्रिटेन के द्वारा तुर्की के प्रति किये गये व्यवहार के चलते भारत में खिलाफत आन्दोलन की शुरुआत हुयी जिसने प्रारम्भ में हिन्दु-मुस्लिम एकता को बढ़ाने का कार्य किया तो बाद में घटाने का
(iii) विश्वयुद्ध के पश्चात आयी आर्थिक महामंदी के चलते भारत में लोगों की आर्थिक कठिनाईयाँ बढ़ी। जिसके चलते इनमें असंतोष की भावना का प्रसार हुआ।
(iv) विश्वयुद्ध के दौरान तथा उसके बाद विभिन्न यूरोपीय राज्यों की पराजय ने यूरोपीय अपराजेयता का मिथक तोड़ा जिसके चलते भारत में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

क्रान्तिकारी आन्दोलन को आधार प्राप्त हुआ।

v) प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात यूरोप में स्थापित तानाशाही सरकारों के चलते विभिन्न भारतीयों द्वारा भारत में अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की कोशिश की गयी और तानाशाही सरकारों से मदद लेने की कोशिश भी की गयी जैसे कि सुभाष चन्द्र बोस भारत की आजादी हेतु जर्मनी का समर्थन प्राप्त करना चाहते थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि विश्व युद्ध के पश्चात लगभग सभी वैश्विक घटनायें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय राजनीति पर प्रभाव डाल रहीं थी क्योंकि भारत पर ब्रिटेन का शासन था और वह एक वैश्विक शक्ति के रूप में था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन के सम्पूर्ण कालक्रम में महात्मा गाँधी एक बहुत ही चमकते सितारे की भाँति प्रतीत होते हैं और शायद यह स्वतंत्रता में उनके योगदान का नतीजा ही है कि उनका कालक्रम गाँधी युग के नाम से जाना जाता है।

प्रारम्भ में महात्मा गाँधी ने अपने दक्षिण अफ्रीकी प्रवास के दौरान वहाँ जिन संघर्ष की युक्तियों तथा तरीकों का प्रयोग किया उन्हीं की सफलता को दुबारा भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में भी प्रयोग किया। जैसे-

i) महात्मा गाँधी ने दक्षिण अफ्रीका में विरोध के लिए सत्याग्रह तथा अहिंसा का मार्ग चुना जिसके चलते आँदोल-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

बेशिक शक्ति दमन न कर पायी अत: भारत में भी उन्होंने इसका प्रयोग किया।

ii) गाँधी ने दक्षिण अफ्रीका में एक आन्दोलन के दौरान महज मौखिक आश्वासन पर ही आन्दोलन वापस ले लिया जिसके चलते उनकी बहुत आलोचना हुयी अत: उनको यह पता चला कि विरोधी हर जगह मिलेंगे

iii) इसी प्रकार जब दक्षिण अफ्रीका में इनके आन्दोलन को काफी समय हो गया चलते-2 तो ~~उनके~~ इसमें लोगों की भागीदारी घटने लगी जिसके चलते उन्होंने माना की जनता की दमन सहने की ऊर्जा सीमित होती है अत: उन्होंने संघर्ष-विराम-संघर्ष की रणनीति का प्रतिपादन किया।

iv) इसी प्रकार गाँधी जी ने वहाँ शांतिकाल में लोगों के बीच जाकर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपनी बात रखी तथा उनके साथ अपने जुड़ाव को मजबूत किया, जिसके चलते अगले आन्दोलन में लोगों की और उत्साहजनक भागीदारी देखी गयी इसके द्वारा गाँधी जी ने रचनात्मक कार्यों द्वारा जनता में ऊर्जा फूंकने की रणनीति की भी सफलता महसूस की।

निष्कर्षतया: कह सकते है कि यह दक्षिण अफ्रीकी भूमि पर किये गये प्रयोगों का ही नतीजा था जिसके चलते गाँधी जी लगभग अपनी प्रत्येक पद्धति में सफल होते गये सिवाय साम्प्रदायिकता के। क्योंकि इसका प्रयोग उन्हे द० अफ्रीका में करने का अवसर उन्हें मिला नहीं और इसी वजह से इस मुद्दे पर वह असफल तो नहीं रहे किन्तु इसमें उन्हे सफलता भी नही मिली।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औपनिवेशिक शासन के द्वारा ब्रिटिशों द्वारा भारत पर अपने शासन के औचित्य को सिद्ध करने तथा समय-2 पर भारतीय जनता के असंतोष को कम करने हेतु संवैधानिक सुधारों को लागू किया जाता था। इसी क्रम में मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों को 1919 में प्रथम विश्वयुद्ध के बाद लागू किया गया था।

वस्तुतः इसके प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित हैं -

i) केन्द्रीय स्तर पर द्विसदनीय विधायिका
ii) प्रांतीय स्तर पर द्वैध शासन (आरक्षित विषय + हस्तांतरणीय विषय
iii) स्थानीय स्वशासन की शुरुआत
iv) साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व के दायरे को बढ़ाकर सिक्खों, ईसाई आदि को शामिल किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

v) प्रत्यक्ष निर्वाचन की शुरुआत। आदि

उपर्युक्त सुधारों के मद्देनजर अगर देखा जाये तो यह बात स्पष्ट है कि न केवल ये सुधार ही अपितु अन्य सुधार भी प्रकृति में अधूरे तथा अपूर्ण हैं।

वस्तुतः स्थानीय स्वशासन का 1919 में जारी होना जबकि ब्रिटिश राज 18.वी सदी से कायम था, इसी प्रकार वित्त जैसे विषय को आरक्षित श्रेणी में रखकर शिक्षा, स्थानीय स्वशासन को हस्तान्तरित में रखा गया जिसके चलते वित्त की आपूर्ति नहीं हुयी इसी क्रम में प्रत्यक्ष निर्वाचन को भी देरी से लागू किया गया तो मत का अधिकार सभी को नहीं दिया गया जो इस सुधार की अपूर्णता को दर्शाता है।

इसी प्रकार बजट पर बहस

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का अधिकार तो मिला किन्तु वायसराय को किसी भी विषय पर वीटो की शक्ति को रखना सभी सुधारों की अल्पता को इंगित करता है। इसी क्रम में साम्प्रदायिक निर्वाचन का दायरा बढ़ाकर ब्रिटिश शासन भारत में अपनी फूट डालो और राज करो की नीति को लागू कर रहा था अतः इस प्रावधान को सुधार की संज्ञा देना गलत होगा।

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि भारत में लागू होने वाले प्रत्येक सुधार जिसका कार्यान्वयन अंग्रेजों ने किया, उनका मूल उद्देश्य अपने औपनिवेशिक हितों की पूर्ति था न कि भारतीयों के अन्दर शासन सम्बन्धी समझ का विकास करना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मानव इतिहास में सबसे विनाशकारी युद्धों में से एक द्वितीय विश्वयुद्ध का आरम्भ पूर्ववर्ती विश्वयुद्ध के लगभग २० वर्षों बाद ही हो गया था हालांकि प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात कथित तौर पर विश्व शान्ति की कोशिशें तो बहुत हुयी थीं फिर भी यह युद्ध हुआ।

विश्वयुद्ध के कारण :- (i) प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात उपजी आर्थिक, सामाजिक कठिनाईयों के चलते विभिन्न देशों में जैसे - जर्मनी, इटली, स्पेन में तानाशाही सरकारों की स्थापना हुयी, जिसने विश्व में तनाव का माहौल निर्मित किया

ii) I विश्वयुद्ध में हुये इटली के अपमान के चलते इटली की फासीवादी सरकार ने इथोपिया पर कब्जा, यूनान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पर आक्रमण किया। किन्तु पश्चिमी राष्ट्र व लीग ऑफ नेशन्स ने कोई कार्रवायी नहीं की जिससे मुसोलिनी का साहस और बढ़ा।

iii) इसी क्रम में जापान की आक्रामक नीतियों (चीन पर आक्रमण etc) के प्रति तुष्टीकरण की नीति भी अपनायी गयी क्योंकि इसे साम्यवादी रूस के रवात्मे का एक अवसर समझा गया।

iv) इसी प्रकार नाजी जर्मनी द्वारा सुडेटनलैण्ड पर अधिकार हो या फिर चेको स्लोवाकिया पर नियंत्रण, सभी प्रमुख राष्ट्रों ने जर्मनी की नाजायज मांगे स्वीकार कर ली ताकि पुनः युद्ध न हो एवं हिटलर का ध्यान साम्यवादी रूस की तरफ मुड़ जाये।

v) तुष्टीकरण की नीति के अलावा

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

द्वितीय विश्व युद्ध के प्रमुख कारणों में विभिन्न राष्ट्रों की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा, वर्साय सन्धि का बदला, फासीवादी ताकतों तथा लोकतांत्रिक राष्ट्रों में मतभेद आदि भी थे, जिनके चलते सम्पूर्ण यूरोप और साथ ही साथ विश्व में भी तनाव के बादल मंडरा रहे थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि भले ही मित्र राष्ट्रों द्वारा तुष्टीकरण की नीति इसलिए अपनायी गयी थी ताकि धुरी राष्ट्रों को शान्त रख कर पुनः युद्ध रोका जा सके किन्तु वह इसमें असफल रहे जैसा कि कहा भी गया है कि "उन्हें अपमान व युद्ध में किसी एक को चुनना था उन्होंने अपमान को चुना और अब उन्हें युद्ध भी मिलेगा"।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान ही भारत में भाषायी आधार पर प्रान्तों के गठन की माँग तीव्र हो गयी इसे कांग्रेस द्वारा समर्थन भी दिया गया किन्तु आजादी के बाद राष्ट्रीय एकता के लिए तथा साम्प्रदायिकता के सन्दर्भ में इस पुनर्गठन को अनुमति नही दी गयी।

इसके चलते एस० के० धर समिति या जेवीपी समिति भी बनी जिन्होंने फिलहाल इसकी अनुशंसा नहीं की इसी क्रम में दक्षिण भारत में यह माँग जोर पकड़ने लगी और पोट्टी श्री रामुलु की मौत के बाद उपजे तनाव के कारण आंध्र प्रदेश (भाषायी आधार पर पहला राज्य) का गठन किया गया तथा आगे के पुनर्गठन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

हेतु राज्य पुनर्गठन आयोग (फजल अली की अध्यक्षता में) का गठन किया गया।

इस प्रकार भारत में विभिन्न भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ। हालांकि प्रारम्भ में राष्ट्रीय एकता के कारण इनका राजनैतिक स्तर पर विरोध किया जा रहा था क्योंकि एक भाषी राज्य के चलते उनमें दूसरी भाषा के प्रति नकारात्मक भाव उपज सकते थे तथा अलगाव की भावना भी पैदा हो ~~सकती~~ थी।

चूँकि साम्प्रदायिकता के कारण विभाजन के चलते भारतीय नीति-निर्माता एक और भाषायी आधार पर विभाजन नहीं चाहते थे। किन्तु भाषायी आधार पर पुनर्गठन के बाद उनकी यह आशंका निर्मूल साबित हुयी। वस्तुतः इसके बाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न केवल भारतीय राज्यों का तर्कसंगत वर्गीकरण हुआ बल्कि उनमें विविधता में एकता की भावना का प्रसार भी मजबूती से जिसके कारण उनका आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक मजबूतीकरण हुआ। साथ ही साथ दूसरे राज्यों के साथ सहयोग की भावना का भी विकास हुआ।

इस प्रकार स्पष्ट है कि राज्यों का पुनः वर्गीकरण भारत के लिए लाभदायक सिद्ध हुआ और यह वर्गीकरण केवल भाषा के आधार पर न होकर प्रशासनिक सुगमता, भौगोलिक विशिष्टता, सांस्कृतिक विविधता जैसे कारकों के सम्मिलित आधार पर हुआ जिसने भारत निर्माण की नींव को मजबूत बनाया और भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता की कहावत को चरितार्थ किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

18. यदि निजी क्षेत्र को शुरुआत से ही एक स्वतंत्र भागीदारी की अनुमति प्रदान की जाती, तो भारत अधिक बेहतर विकास कर सकता था। समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Had private sector been allowed a free play right from the beginning, India could have developed much better. Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

आजादी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास हेतु भारतीय नीति-निर्माताओं ने पूँजीवादी तथा समाजवादी व्यवस्था के मिश्रण को चुना जिसके तहत राज्य के विकास में मुख्य भूमिका राज्य की रहेगी तथा निजी क्षेत्र एक सीमित मात्रा तक अपनी उपस्थिति बनाये रख सकेगा।

हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था का यह प्रयोग कुछ हद तक सफल नहीं रहा और 1991 के आर्थिक संकट के बाद लागू हुए उदारीकरण के चलते हुए लाभों को देखकर कुछ लोग कहने लगे कि इसे 1947 में ही लागू करना था क्योंकि

i) भारतीय अर्थव्यवस्था 1991 के बाद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी

ii) प्रति व्यक्ति आय आज के समय ज्यादा वृद्धि हुयी है।

iii) निजी क्षेत्र के चलते तकनीक विकास, सेवा क्षेत्र में सम्पृक्तता आदि आयी हैं।

iv) उत्पादन बढ़ने से निर्यात बढ़ा है तथा व्यापार में वृद्धि हुयी है जिसका सम्पूर्ण परिणाम भारतीय संवृद्धि ।

v) शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना आदि के क्षेत्र में भी बहुत महत्वपूर्ण सुधार तथा प्रगति हुयी है।

किन्तु यदि आजादी के बाद तुरन्त निजी क्षेत्र को स्वतन्त्रता मिलती तो निम्न संभावनाएँ थी:-

i) कृषि क्षेत्र में अपेक्षाकृत विकास नही होता तथा शोषण ।

ii) आजादी के बाद चली तमाम समाज कल्याण परियोजनाओं को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राथमिकता तथा प्रमुखता से लागू करना सम्भव नहीं होता

iii) सरकारी नीतियों का ध्यान निजी क्षेत्र के विकास के चलते भारतीय वंचित समाज के विकास का मुद्दा पीछे छूट जाता है।

iv) 1991 के बाद आर्थिक, सामाजिक विषमता भी बढ़ी है और अगर यह तुरन्त 1947 में लागू होता तो इसकी स्थिति आज के समय अत्यन्त भयानक होती।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि निजी क्षेत्र की स्वतंत्रता भारत जैसे आर्थिक रूप से विपन्न देश (आजादी के तुरन्त बाद) में आम जनता के विकास की कीमत पर होती जो दीर्घकाल में भारतीय एकता, स्थायित्व समृद्धता के लिए खतरा भी बन सकती थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हाल ही में घटित कुछ घटनाओं के चलते, जैसे:- कि सबरीमाला विवाद, हाजी अली दरगाह विवाद, तीन तलाक का विवाद आदि, धार्मिक स्वतंत्रता तथा लैंगिक न्याय का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। मुख्य सवाल यही है कि ज्यादा महत्वपूर्ण कौन है?

वस्तुत: भारतीय संविधान के अनु० 25-28 तथा 29 व 30 व्यक्ति को धर्म सम्बन्धी स्वतंत्रता प्रदान करते हैं तो नीति निदेशक तत्वों के कुछ प्रावधान तथा मूल अधिकारों में अनु० 15 व 16 लैंगिक न्याय की बात भी करते हैं।

अब अगर देखा जाये कि अभी की घटनाओं के मद्देनजर कौन ज्यादा महत्वपूर्ण है तो यह बात ध्यान रखनी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होगी कि प्राचीनकाल में पहले मनुष्य आया और उसके पश्चात धर्म अर्थात धर्म की महत्ता इंसान के बाद की है इसका मतलब यह है कि अगर धर्म व्यक्ति को सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान देता है तो लैंगिक न्याय व्यक्तियों में आपस में सामाजिक, सांस्कृतिक सम्बन्ध मजबूत करता है।

जिस प्रकार सबरीमाला विवाद में कहा गया है कि भगवान अयप्पा के अपने विशेषाधिकार हैं तो वहीं तीन तलाक को धर्म का व्यक्तिगत मामला बताया जा रहा है किन्तु उपर्युक्त दोनों तर्क ही महिलाओं के विरुद्ध दुष्प्रचार को बढ़ावा देते हैं जैसे कि मासिक धर्म एक अपवित्र चीज है या तीन तलाक के सन्दर्भ में महिलाओं का वस्तुकरण किया जा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वस्तुतः यहाँ यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि किसी भी धर्म की महानता किसी भी प्रकार के अन्याय पर आधारित नहीं हो सकती है जबकि लैंगिक विभेद के चलते यह प्रक्रिया सदियों से चली आ रही है। यदि महिलाओं को अपनी सामाजिक आर्थिक, राजनैतिक स्थिति में सुधार चाहिए तो उन्हें इस प्रकार के धार्मिक बन्धनों से आजाद होना होगा।

निष्कर्षतया यह कहा जा सकता है कि लैंगिक न्याय अपनी जगह पर उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि धार्मिक स्वतंत्रता, वस्तुतः न तो लैंगिक भेद के आधार पर धार्मिक स्वतंत्रता दी जा सकती है और न ही धार्मिक स्वतंत्रता के आधार पर लैंगिक भेद की अनुमति दी जा सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation